सांध्य दैनिक

4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 59 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 4 अप्रैल, 2026

किसी से किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता नहीं है। आप स्वयं में जैसे हैं एकदम सही हैं। खुद को स्वीकारिये।

-ओशो

पहली जीत की तलाश में उतरेगी... 7 | शेयर बाजार में कयामत, बिकावली... 3 | सरकार के खिलाफ आवाज उठाने... 2

केरल में विस चुनाव का महासंग्राम

मोदी-राहुल आमने-सामने मचेगा घमासान

राहुल गांधी की तीन रैलियां पीएम मोदी का रैली के साथ रोड शो

मोदी मॉडल बनाम केरल मॉडल टकराव सिर्फ चुनावी नहीं वैचारिक है

» 9 अप्रैल को होने वाली वोटिंग से पहले सियासत का पारा चढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल की हवा इस बार सिर्फ चुनावी नहीं बल्कि टकराव की गंध से भरी हुई है। 9 अप्रैल को होने वाली वोटिंग से पहले सियासत का पारा इतना चढ़ चुका है कि हर बयान हर रैली और हर रोड शो एक खुली चुनौती बन रहा है। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान में हैं तो दूसरी तरफ कांग्रेस के सबसे मुखर चेहरे सीधे मोर्चा संभाले हुए हैं बिना झिझक बिना नरमी के।

केरल में लड़ाई सिर्फ सीटों की नहीं है। यह उस सोच की लड़ाई है जिसमें एक तरफ केंद्रीकृत ताकत का मॉडल है और दूसरी तरफ क्षेत्रीय पहचान सामाजिक संतुलन और संवैधानिक मूल्यों की बात। केरल में हमेशा से राजनीति सिर्फ सत्ता के लिए नहीं बल्कि विचारधारा के लिए लड़ी जाती रही है और इस बार यह टकराव अपने चरम पर है।

सदन के बाद सड़क पर पीएम मोदी और राहुल गांधी में टक्कर

आज नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी केरल में तीन बड़ी रैलियां के जरिये केरल के मतदाताओं के सामने अपनी बात रखेंगें। राहुल गांधी राज्य के 3 जिलों में आयोजित अलग-अलग 4 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। राहुल गांधी का यह केरल दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाजपा नीत एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में केरल में रैली करेंगे और एक रोड शो में भी हिस्सा लेंगे। गौरतलब है कि केरल में त्रिकोणीय मुकाबला है जिसमें एलडीएफ, यूडीएफ और एनडीए आमने-सामने हैं। माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ के सामने सत्ता को बरकरार रखने की चुनौती है जबकि कांग्रेस नीत यूडीएफ वापसी की कोशिश में है और भाजपा नीत एनडीए को बड़ी सफलता की उम्मीद है। केरल में भाजपा का प्रमुख गठबंधन सहयोगी बीडीजेएस है। क्षेत्रीय पार्टी ट्वेंटी-20 भी एनडीए का हिस्सा बन चुकी है। वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी), शिवसेना और कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) जैसे दल भी एनडीए का हिस्सा हैं। केरल विधानसभा के 140 सदस्यों के चुनाव के लिए 9 अप्रैल को होने वाले हैं। वोटों की गिनती और परिणाम 4 मई 2026 को घोषित किए जाएंगे। इस बार केरल विधानसभा चुनाव में कुल 890 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के अनुसार केरल चुनाव में 2.71 करोड़ मतदाता अपना वोट डालने के पात्र हैं।

राहुल पेश कर रहे हैं जबर्दस्त चुनौती

प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषणों में केरल को विकास इंफ्रास्ट्रक्चर और डबल इंजन सरकार के वादों से जोड़ते हैं। लेकिन राहुल गांधी उसी मंच से सवाल खड़ा कर देते हैं कि अगर पीएम मोदी का माडल इतना ही सफल है तो देश के बाकी हिस्सों में बेरोजगारी महंगाई और सामाजिक तनाव क्यों बढ़ रहा है? यह सीधा हमला है उस नैरेटिव पर जिसे बीजेपी वर्षों से गढ़ती आई है। केरल का चुनाव त्रिकोणीय है एलडीएफ, यूडीएफ और एनडीए तीनों अपनी-अपनी जमीन बचाने और बढ़ाने में लगे हैं। लेकिन असली दिलचस्पी इस बात में है कि क्या बीजेपी इस बार कोई बड़ा सेंध लगा पाएगी या फिर यह लड़ाई एक बार फिर पारंपरिक एलडीएफ बनाम यूडीएफ के बीच सिमट जाएगी?

पीएम मोदी वर्सेज राहुल गांधी में कौन पड़ेगा भारी

राहुल गांधी केरल में सिर्फ एक नेता नहीं बल्कि एक संदेश बनकर सामने आ रहे हैं। एक ऐसा संदेश जो सीधे सत्ता से सवाल करता है। उनके भाषणों में अब पहले जैसी झिझक नहीं बल्कि आक्रामकता है आंकड़ों का सहारा है और सबसे अहम सीधा संवाद है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा उनका अनुभव और उनकी आक्रामक चुनावी शैली भी कम नहीं है। लेकिन केरल की जमीन हमेशा से अलग रही है यहां भावनाओं से ज्यादा तर्क चलते हैं और नारों से ज्यादा काम की पड़ताल होती है। ऐसे में सवाल बड़ा साफ है क्या इस बार भी केरल अपने पारंपरिक ढर्रे पर चलेगा या फिर कोई नया राजनीतिक मोड़ इतिहास लिखने वाला है? पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपने पिछले दौरों में केरल को विकास से पीछे छूटा हुआ बताने की कोशिश की और केंद्र की योजनाओं को राज्य की प्रगति का रास्ता बताया। लेकिन लेकिन राहुल गांधी का जवाब सीधा और तीखा रहा उन्होंने कहा कि केरल का मॉडल शिक्षा स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय पर खड़ा है जबकि बीजेपी का मॉडल कॉर्पोरेट और केंद्रीकरण पर। केरल में बीजेपी की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वहां उसका संगठनात्मक ढांचा अभी भी सीमित है।

क्या बदल सकता है चुनावी गणित?

केरल में बीजेपी के लिए रास्ता कठिन है लेकिन वह नैरेटिव बदलने की कोशिश में है। वहीं कांग्रेस के लिए यह चुनाव सिर्फ राज्य की जीत नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी वापसी का संकेत देने का मौका है। यह चुनाव सिर्फ यह तय नहीं करेगा कि केरल में कौन सरकार बनाएगा बल्कि यह भी तय करेगा कि देश में विपक्ष की आवाज कितनी मजबूत है। अगर राहुल गांधी यहां प्रभावी प्रदर्शन करते हैं तो यह सीधा संदेश होगा कि बीजेपी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ संभव ही नहीं बल्कि संगठित भी हो सकती है। और अगर ऐसा नहीं हुआ तो पीएम नरेन्द्र मोदी का अजेय नेतृत्व वाला नैरेटिव और मजबूत होगा।

सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले हर व्यक्ति को चुप कराया जा रहा : अखिलेश

सपा प्रमुख की अपील- जनता इस सरकार के खिलाफ एकजुट हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने बीजेपी पर विपक्ष की आवाज दबाने, संविधान की उपेक्षा करने और मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा की बिगड़ती स्थिति की आलोचना करते हुए 27 में बदलाव के लिए जनता से एकजुट होने का आह्वान किया। यादव ने सत्ताधारी प्रशासन के खिलाफ एकता का आह्वान किया।

अखिलेश ने कहा कि सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले हर व्यक्ति को चुप कराया जा रहा है। इस सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए कुछ नहीं किया है। हम जनता से इस सरकार के खिलाफ एकजुट होने की अपील करते हैं। यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में कुप्रबंधन की भी निंदा करते हुए कहा कि यहां संतों का अपमान किया जा रहा है। मौजूदा सरकार का एकमात्र उद्देश्य मुनाफा कमाना है। यही कारण है कि महंगाई बढ़ रही है। निवेश की बातें होने के बावजूद बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है।

शासन व्यवस्था के संबंध में, उन्होंने संवैधानिक मानदंडों के प्रति सरकार की उपेक्षा की आलोचना करते हुए कहा कि ये ऐसे लोग हैं जो संविधान के अनुसार नहीं, बल्कि अपनी मनमानी के अनुसार काम करते हैं। वे संविधान को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने जमीनी स्तर पर शोषित और पीड़ित लोगों को एकजुट करने के समाजवादी पार्टी के लक्ष्य पर जोर दिया, ताकि 27 में समाजवादी पार्टी की सरकार की नींव रखी जा सके।

कार्यकर्ता व युवा बूथ स्तर पर जुटें

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने युवा संगठनों की बैठक में 27 में बहुमत की सरकार बनाने के लिए बूथ स्तर तक जुटने का आह्वान किया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी को युवा शक्ति पर पूरा भरोसा है। समाजवादियों को भाजपा के षड्यंत्रों से सावधान रहने को कहा। उन्होंने कहा कि सतर्क एवं सजग रहकर भाजपा के षड्यंत्र को विफल करना है।

उन्होंने कहा कि हमें 27 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी ही होगी। शिक्षा के मुद्दे पर यादव ने मौजूदा सरकार के कार्यकाल में शिक्षा की बिगड़ती स्थिति को उजागर करते हुए कहा कि उन्होंने माध्यमिक विद्यालयों को बर्बाद कर दिया ह, उन्होंने शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया है। हमारे कार्यकाल में हमने सरकारी विद्यालयों की खराब हालत को देखते हुए 'अभिनव विद्यालय' स्थापित किए और छात्रों की मदद के लिए लैपटॉप वितरित किए। हमने संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'संस्कृति विद्यालय' भी स्थापित किए। आज इन विद्यालयों की हालत और भी बदतर हो गई है।

अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को चौपट बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के क्षेत्रों में भी दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं। कानपुर में उद्योग बर्बाद होने और किसानों के संकट के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि किसान को आलू का उचित दाम नहीं मिल रहा है। उन्होंने लखनऊ के ग्रीन कॉरिडोर को बर्बादी का कॉरिडोर बताया, जिसकी डिजाइन गलत है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में एक भी बिजली कारखाना नहीं लगाया, जबकि सपा सरकार ने कई प्लांट लगाए थे।

'ग्रीन कॉरिडोर' असल में 'बर्बादी का कॉरिडोर'

यादव ने सार्वजनिक अवसंरचना परियोजनाओं की आलोचना करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश को बर्बाद कर रही है। उनका 'ग्रीन कॉरिडोर' असल में 'बर्बादी का कॉरिडोर' है। कितने चौराहों पर लोगों को रुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है? पुलिस को हर जगह बैरिकेड लगाने पड़ रहे हैं। मुझे शक है कि मुख्यमंत्री ने जानबूझकर इसे इस तरह बनाया है। इसीलिए जनता को इतनी असुविधा हो रही है। उन्होंने शहरी सौंदर्यीकरण के प्रयासों पर भी हमला करते हुए कहा कि रिवरफ्रंट का निर्माण गोमती नदी को साफ करने के उद्देश्य से किया गया था। वे यहाँ किस तरह की क्रूज सेवा चलाने का इरादा रखते हैं? तब भी गोमती से बदबू के अलावा कुछ नहीं निकलेगा।

भाजपा एक सौदागर है

अखिलेश यादव ने भाजपा को सौदागर बताते हुए उस पर सब कुछ बेचने और मुनाफाखोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे भ्रष्टाचार और महंगाई दोनों बढ़ रही हैं, जिससे बेरोजगारी भी चरम पर है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार निवेश के बड़े सपने दिखा रही थी, पर कोई निवेश नहीं आया। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान से नहीं बल्कि मनविधान से चलती है। सपा अध्यक्ष ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में युवा संगठनों की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही।

बाबा साहब की जयंती गांव स्तर पर मनाएगी सपा

यह भी बताया कि समाजवादी पार्टी 14 अप्रैल को बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती गांव स्तर पर मनाएगी। इस दौरान संविधान पर संकट की चर्चा भी की जाएगी। उन्होंने वर्तमान समय को अमृत काल नहीं, बल्कि संकट काल बताया। उन्होंने संतों की हत्याओं और अपमान पर भी चिंता व्यक्त की। सपा लोकतंत्र को मानती है, जबकि भाजपा एकतंत्र से चलती है।

शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था बर्बाद

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर शिक्षा विभाग को बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्राइमरी शिक्षा में पढ़ाई नहीं हो रही और गरीब बच्चों के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमरा गई हैं। गलत ऑपरेशन हो रहे हैं और मरीजों को पर्याप्त दवा-इलाज नहीं मिल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि जानवरों को लगने वाली सिरिंज आदमियों के लिए खरीदी जा रही हैं।

असम की सत्ता की चाबी एआईयूडीएफ के हाथ में : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि असम में आगामी विधानसभा चुनावों में मुस्लिम मतदाता एकजुट होकर अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के पक्ष में मतदान करेंगे। ये चुनाव 9 अप्रैल को होने वाले हैं।

बिन्नाकंडी निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए, ओवैसी ने एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल और उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया और क्षेत्रीय पार्टी को राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक निर्णायक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया।

ओवैसी ने कहा कि मुसलमान एकजुट होकर मतदान करेंगे और बदरुद्दीन अजमल के 29 उम्मीदवार जीतेंगे। असम की राजनीति का फैसला एआईयूडीएफ करेगा। ओवैसी ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर चुप्पी

साधने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे राजनीतिक माहौल ने अल्पसंख्यक समुदायों के बीच एआईयूडीएफ के समर्थन को मजबूत किया है। राज्य सरकार द्वारा चलाए गए बेदखली अभियानों पर चिंता जताते हुए ओवैसी ने इस कार्रवाई को पूरी तरह से असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि अजमल ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और आगे कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि अगर यह वन भूमि है, तो वैकल्पिक भूमि दी जाए। अन्यथा, उन्हें विस्थापित न किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग 5000 लोगों को विस्थापित किया गया है, इसे जरूरी नफरत से प्रेरित बड़ा अन्याय और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया। एआईएमआईएम नेता ने आगे कहा कि असम में अल्पसंख्यक समुदायों को लंबे समय से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अपर्याप्त सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि मैं एक विशेष उद्देश्य से असम आया हूँ। मैं असम में मिया मुसलमानों के अधिकारों और संरक्षण के लिए आवाज़ उठाने आया हूँ। राज्य में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए ऐतिहासिक रूप से अपमानजनक शब्द के रूप में इस्तेमाल होने वाला शब्द %मिया% हाल के वर्षों में समुदाय के कुछ वर्गों द्वारा पहचान के प्रतीक के रूप में अपनाया गया है।

तेजस्वी यादव झारखंड को मथेंगे सियासत गरमाई

पांच अप्रैल को राजद का रांची में होगा शक्ति प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एक बार फिर शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में जुट गई है। पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन 5 अप्रैल को रांची के कार्निवल हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव शामिल होंगे।

तेजस्वी यादव के आगमन को लेकर प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं। उनके स्वागत को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इसी क्रम में झारखंड प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश यादव रांची पहुंच चुके हैं। शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जय प्रकाश यादव ने बताया कि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार मजबूती से काम कर रही है, जिसमें राजद की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद यह तेजस्वी यादव का पहला झारखंड दौरा है। इस दौरान तेजस्वी यादव संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने और पार्टी नेताओं के साथ विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। प्रेस वार्ता में भाजपा पर निशाना साधते हुए जय प्रकाश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म और जाति की राजनीति करती है और विभिन्न राज्यों में उसकी स्थिति कमजोर हो रही है। उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वहां अपराध बढ़े हैं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी कर एनडीए ने सत्ता हासिल की।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अनिल राजनीति में बच्चे, हम उनके चच्चा : ओम प्रकाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर जारी कानूनी प्रक्रिया और सियासी बयानबाजी के बीच प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर का बयान सामने आया है. आज शुक्रवार (3 अप्रैल) को अतरौलिया निरीक्षण भवन में जनसुनवाई के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि पंचायत चुनाव को लेकर सरकार पूरी तरह तैयार है और अदालत के निर्देशों का अक्षरश: पालन किया जाएगा।

इस दौरान मंत्री ने कहा कि पंचायत चुनाव से संबंधित मामला न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसे में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जो भी निर्देश देंगे, सरकार उसी के अनुरूप आगे बढ़ेगी. उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग उनके पास होने के कारण

उन्हें जमीनी तैयारियों की पूरी जानकारी है चुनाव कराने को लेकर सरकार गंभीर है। इस दौरान उन्होंने अनिल राजभर के हालिया बयानों पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह अभी राजनीति में नए हैं और अनुभवहीन हैं, जबकि हम उनके चच्चा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग और न्यायालय के निर्देशों में सामंजस्य है और सरकार का रुख पहले से स्पष्ट रहा है। आजमगढ़ के एक निजी अस्पताल में सपा विधायक के गनर द्वारा अवैध असलहा लहराने के मामले पर मंत्री ने समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी है. मंत्री ने कहा कि जब जनप्रतिनिधि खुद ऐसे लोगों को बढ़ावा देते हैं, तो इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने मांग की कि इस प्रकरण में केवल गनर ही नहीं, बल्कि संबंधित विधायक की भूमिका की भी जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

शेयर बाजार में कयामत, बिकावली का तूफान, 550 अरब डालर का नुकसान

सोने-चांदी के बाजारों में भी हाहाकार, 7 फीसदी तक की गिरावट

- ट्रंप के शब्दों से हिल गयी दुनिया, वाल स्ट्रीट से लेकर एशियाई बाजारों में हाहाकार
- पैनिक सेलिंग से शेयर बाजार क्रैश अब सब कुछ और हो जाएगा महंगा
- अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो ईरान को वापस पाषाण युग में भेज देंगे ट्रंप की ईरान को खुली चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सिर्फ 25 मिनट और करीब 550 अरब डालर हवा हो गए। जी हां अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन के खत्म होते ही शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया और बाजारों के मार्केट कैप में 550 डालर की कमी दर्ज की जा चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने दुनिया की अर्थव्यवस्था की नसों में डर दौड़ा दिया और भाषण खत्म होते ही शेयर बाजारों में ऐसा भूचाल आया कि स्क्रीन पर लाल रंग छा गया। निवेशकों ने बेचो – बचाओ और भागो की तर्ज पर बटन दबा दिया जिससे देखते ही देखते वाल स्ट्रीट से लेकर एशियाई बाजारों में हाहाकार मच गया।

ट्रंप ने सिर्फ चेतावनी नहीं दी बल्कि दुनिया को खुली धमकी सुनाई उन्होंने कहा कि अगर समझौता नहीं हुआ तो ईरान को पाषाण युग में भेज देंगे। यह एक लाइन नहीं थी यह वैश्विक अस्थिरता का ऐलान था। पहले से ही टैरिफ ट्रेड वार और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहे बाजार के लिए यह बयान बारूद पर चिंगारी साबित हुआ। पहले भी जब ट्रंप ने टैरिफ और व्यापारिक सख्ती की बात की थी तब भी बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई थी। लेकिन इस बार डर और गहरा था क्योंकि इसमें युद्ध का साया भी शामिल था।

सेसेंक्स निफ्टी में बिकवाली का तूफान

संसेक्टस और निफ्टी खुलते ही 2 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए। संसेक्स 872 अंक नीचे निफ्टी 296 अंक फिसला। और कुछ ही मिनटों में गिरावट ने रफ्तार पकड़ ली। बाजार के आज के हालात देखकर एक्सपर्ट का यही कहना था कि यह गिरावट नहीं खुली भगदड़ थी। हर सेक्टर लाल हर शेयर दबाव में। बैंकिंग से लेकर मेटल आटो से लेकर रियल्टी सबकी सांस अटकी हुई। मिडकैप और स्मॉलकैप तो और बुरी तरह पिटे करीब 3 फीसदी तक की गिरावट। यानी बड़े खिलाड़ी ही नहीं छोटे निवेशक भी चपेट में।

बाजार में एक भी कोना ऐसा नहीं बचा जहां राहत दिखे और इस पूरी तबाही की जड़ सिर्फ आंकड़े नहीं बल्कि डर था। डर उस बयान का जो डोनाल्ड ट्रंप ने दिया दो तीन हफ्तों में ईरान पर कड़ा प्रहार। एक तरफ हमला दूसरी तरफ बातचीत। इन विरोधाभासी संकेतों ने बाजार को पूरी तरह कन्फ्यूज कर दिया। निवेशकों ने रिस्क लेने से बेहतर भागना समझा और बस यहीं से शुरू हुआ बिकवाली का तूफान। यह सिर्फ एक दिन की गिरावट नहीं बल्कि उस डर का संकेत है जो अब ग्लोबल इकॉनमी की नसों में दौड़ रहा है।

करेक्शन बन गया क्रैश

असल खेल इकोनॉमिक फंडामेंटल का नहीं है बल्कि सेंटिमेंट का है। बाजार पहले से ही ओवरवैल्यूएशन सप्लाई चेन तनाव और ट्रेड पालिसी के अनिश्चित माहौल में खड़ा था। ऐसे में जैसे ही ट्रंप ने आक्रामक रुख दिखाया वैस ही बड़े निवेशकों ने जोखिम से दूरी बनानी शुरू कर दी। एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग ने इस गिरावट को और तेज कर दिया और कुछ ही मिनटों में करेक्शन एक क्रैश में बदल गया। यह सिर्फ अमेरिका की कहानी नहीं

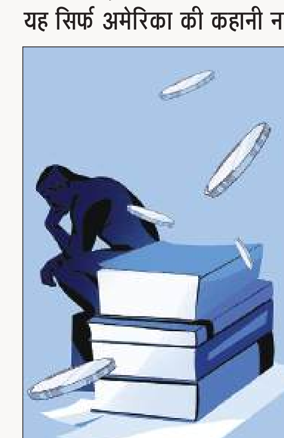

है। यह उस ग्लोबल सिस्टम की सच्चाई है जहां एक नेता के शब्द पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को झकझोर सकते हैं। सवाल यह नहीं कि बाजार क्यों गिरा सवाल यह है कि क्या दुनिया की अर्थव्यवस्था इतनी कमजोर हो चुकी है कि एक भाषण उसे हिला दे? और यही सबसे खतरनाक संकेत है। यह गिरावट सिर्फ पैसे की नहीं। भरोसे की है क्योंकि जब बाजार भाषण से टूटने लगे तो समझ लीजिए कि सिस्टम पहले से ही दरारों से भरा हुआ है और ट्रंप ने तो बस उसे उजागर कर दिया।

सोना/चांदी में हाहाकार

शेयर बाजारों के साथ पीली और सफेद कीमती धातुओं की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के कारोबार में सोने/चांदी की कीमतें में 7 प्रतिशत तक गिर गये जिससे युद्धविराम की उम्मीद कर रहे बुलियन निवेशकों को बड़ा झटका लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के वायदा भाव में 3.60 प्रतिशत से ज्यादा यानी करीब 6,000 रुपए गिरकर 1,47,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे लो तक पहुंच गया। हालांकि खबर लिखे जाने तक सोना 3.68 प्रतिशत यानी 5,659 रुपए गिरकर 1,48,049 रुपए पर ट्रेड करता नजर आया।

वहीं चांदी का वायदा भाव में और ज्यादा गिरावट देखने को मिली और इसकी कीमत 7 प्रतिशत से ज्यादा यानी 17,200 रुपए से ज्यादा टूटकर 2,24,500 रुपए प्रति किलो के इंट्राडे लो तक पहुंच गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह 7.10 प्रतिशत या 17,280 रुपए की गिरावट के साथ 2,26,221 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी की कीमतों में कमजोरी रही। स्पॉट गोल्ड 2.26 प्रतिशत गिरकर 4,650.30 डॉलर तक पहुंच गया, जबकि स्पॉट सिल्वर 4.7 प्रतिशत गिरकर 71.50 डॉलर पर आ गया।

भारतीय बाजार पर गहरा असर

सेंसेक्स 1500 अंक टूटा

गुरुवार सुबह जब भारतीय शेयर बाजार खुले तो ट्रंप के भाषण का असर साफ दिखा।

- **संसेक्स:** शुरुआती कारोबार में ही 1,518 अंक (2.08 प्रतिशत) गिरकर 71,616 पर आ गया।
- **निफ्टी:** निफ्टी में भी 462 अंकों की भारी गिरावट देखी गई और यह 22,216 के स्तर पर पहुंच गया।
- **निवेशकों को झटका :** भारतीय निवेशकों को बाजार खुलते ही करीब 8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा।

बाजार गिरने के 3 मुख्य कारण

1- **युद्ध विराम की उम्मीदें टूटीं:** निवेशकों को उम्मीद थी कि ट्रंप 'हॉर्मुज जलडमरूमध्य' को खोलने या युद्ध खत्म करने की समय सीमा देंगे, लेकिन उन्होंने सैन्य कार्रवाई और बढ़ाने के संकेत दिए।

2- **कच्चे तेल में उबाल :** ट्रंप के भाषण के दौरान ही ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें उछलकर 105 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गईं, जिससे महंगाई बढ़ने का डर सताने लगा है।

3- **अनिश्चितता का माहौल :** मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रंप के बयानों में निरंतरता की कमी है, जिससे ग्लोबल फंड मैनेजर सुरक्षित निवेश (जैसे गोल्ड और डॉलर) की ओर भाग रहे हैं और शेयरों से पैसा निकाल रहे हैं।

पाषाण युग में ईरान को भेजने की धमकी

ईरान के खिलाफ युद्ध के उद्देश्यों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुरू से ही भ्रमित दिख रहे हैं वह कभी कहते हैं कि वह ईरान के विरुद्ध अपने अभियान को खत्म कर सकते हैं तो कहीं ईरान को धमकाते दिखते हैं। आज सुबह उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिकी सेना कुछ ही हफ्तों में उन्हें पाषाण युग में वापस ले जा सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर से दावा किया है कि ईरान की सेना खत्म हो चुकी है। टीवी पर दिए भाषण में ट्रंप ने कहा कि अभी सिर्फ एक महीना हुआ है जब अमेरिकी सेना ने आतंक के दुनिया के नंबर वन स्पान्सर ईरान को टारगेट करते हुए आपरेशन एपिक फ्यूरी शुरू किया था। उन्होंने दावा किया कि लड़ाई के मैदान में तेजी से बढ़त हासिल की जा रही है। उन्होंने कहा आज रात ईरान की नेवी खत्म हो गई है। उनकी एयरफोर्स बर्बाद हो गई है। उनके नेता अब मर चुके हैं। ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता बहुत कम कर दी गई है और हथियार फैसिलिटी टुकड़ों में उड़ा दी गई हैं। उन्होंने इस कैंपेन को ईरान को न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जरूरी बताया। ट्रंप ने कहा कि मैंने कसम खाई है कि मैं ईरान को कभी न्यूक्लियर हथियार नहीं रखने दूंगा। ट्रंप ने ईरान की मौजूदा सरकार को धरती की सबसे हिंसक सरकार कहा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कुछ सालों में लोकतंत्र के परिपक्वता पर आई आंच

> आजादी के बाद देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि संवैधानिक संस्थाओं को पक्षपात के आरोपों के कारण कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। इन संस्थाओं के कामकाज के तौर–तरीकों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इन पर पूरी तरह से सत्तारुढ केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के इशारों पर काम करने करने और विपक्ष के अधिकारों को दबाने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

आजकल देश में सरकार के कई कामों पर सवाल उठ रहे हैं। ये सवाल केवल विपक्ष ही नहीं आम जनता की ओर से भी उठाए जा रहे हैं। अब ये चर्चा खास व जनता में आम हो गई है कि देश में समय के साथ लोकतंत्र के परिपक्कव होने के बजाए कमजोर होने की आहट आ रही है। आजादी के बाद देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि संवैधानिक संस्थाओं को पक्षपात के आरोपों के कारण कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। इन संस्थाओं के कामकाज के तौर–तरीकों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इन पर पूरी तरह से सत्तारुढ केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के इशारों पर काम करने करने और विपक्ष के अधिकारों को दबाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोपों के इस घेरे में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के सभापति रहे जगदीप धनखड़, भारत के नियंत्रक–महालेखा परीक्षक और अब मुख्य चुनाव आयुक्त आ चुके हैं। लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए 118 विपक्षी सांसदों के समर्थन से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। विपक्षी सांसदों का दावा था कि ओम बिरला ने पक्षपातपूर्ण व्यवहार दिखाया है और उनका कार्यालय अपेक्षित निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहा है।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कई बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया और स्पीकर की भूमिका पर चर्चा हुई है और कई बार मेरा नाम लिया गया, मेरे बारे में गंदी बातें कही गईं। उन्होंने कहा कि यह सदन भारत के लोगों की अभिव्यक्ति है। यह सदन किसी एक पार्टी का नहीं है, यह पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। जब भी हम बोलने के लिए उठते हैं, हमें बोलने से रोक दिया जाता है। पिछली बार जब मैंने बात की थी, तब मैंने हमारे प्रधानमंत्री के किए गए समझौतों के बारे में एक बुनियादी सवाल उठाया था। कई बार मुझे बोलने से रोका गया है। पहली बार लोकसभा के इतिहास में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया है। नेता विपक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 17वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 51 प्रतिशत थी। नेशनल एवरेज 66 प्रतिशत था। 16वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 52 प्रतिशत थी। नेशनल एवरेज 80 प्रतिशत था। 15वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 43 प्रतिशत थी, जबकि नेशनल एवरेज 76 प्रतिशत था। उन्होंने कुछ सदस्यों की शिकायतों पर भी बात की कि उन्हें माइक्रोफोन की दिक्कतों की वजह से बोलने नहीं दिया गया। शाह ने कहा कि जो कोई भी नियमों का पालन नहीं करेगा या सदन में अनुशासन बनाए नहीं रखेगा, उसका माइक्रोफोन बंद कर दिया जाएगा और कहा कि संसद की कार्यवाही इसी तरह चलनी चाहिए। तो अब आम जनता भी पूछ रही है कि क्या दबंगई से सरकार संसद को चलाएगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फोर्टिफाइड चावल से जुड़े स्वास्थ्य के जोखिम

पंकज चतुर्वेदी

सरकार को अपने उस आदेश को वापस लेना पड़ा, जिसके तहत विभिन्न सार्वजनिक वितरण तंत्र के माध्यम से 'फोर्टिफाइड' चावल के वितरण को अनिवार्य किया गया था। दरअसल, इस बात के कोई प्रमाण नहीं थे कि इस तरह तैयार चावल रक्त–अल्पता यानी एनीमिया से लड़ने में कारगर है। वहीं आईआईटी खड़गपुर की एक रिपोर्ट में इनके भंडारण को मानव स्वास्थ्य के लिए घातक बताया गया था। भारत में केंद्रीय पूल में चावल का कुल भंडार लगभग 679.32 लाख टन तक पहुंच गया है, जो निर्धारित बफर मानदंड, लगभग 76.1 लाख टन से 9 गुना अधिक है। इसके बावजूद सार्वजनिक वितरण प्रणाली में 'फोर्टिफाइड' यानी संवर्धित चावल के वितरण को अनिवार्य कर दिया जाना कई सवाल खड़े कर रहा था। देश की सभी सार्वजनिक वितरण दुकानों और आंगनवाड़ी आदि में कोई 350 लाख मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल के वितरण की व्यवस्था की गई थी।

कहा तो यह गया कि चावल के दानों में कृत्रिम रूप से लौह तत्व और विटामिन मिलाकर देश की एक बड़ी आबादी को 'छिपी हुई भूख' से मुक्त किया जा सकता है। किंतु, इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे छिपे स्वास्थ्य जोखिम और निर्माण प्रक्रिया की अनिश्चितता अब गंभीर विमर्श का विषय बन गई है। पायलट प्रोजेक्ट की आड़ में सारे देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में यह चावल डालने से बड़ी आबादी पर संकट के बादल भी मंडरा रहे हैं। सबसे पहले टूटे हुए चावलों को पीसकर आटा बनाया जाता है। इस आटे में आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी12 का एक निर्धारित मिश्रण मिलाया जाता है। इसमें जिंक, विटामिन ए, बी1, बी2, बी3 और बी6 भी मिलाए जाते हैं। मिश्रण में पानी मिलाकर इसे एक 'एक्सट्रूडर' मशीन में डालते हैं, जो इसे ठीक चावल के दाने जैसा आकार देती है। इन्हें फोर्टिफाइड राइस कर्नेल कहा जाता है। इन कृत्रिम दानों को सामान्य चावल के साथ 1:100 के अनुपात में मिलाया जाता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे चावल सभी के लिए एक समान लाभकारी नहीं हैं।

खासकर थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसे आनुवंशिक रोगों से पीड़ितों के लिए। ऐसे मरीजों के शरीर में पहले ही आयरन अधिक होता है और आयरन युक्त चावल खाने से उनके अंग खराब होने का खतरा बढ़ सकता है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, इन रोगों

से पीड़ित व्यक्तियों के शरीर में आयरन का संचय प्राकृतिक रूप से अधिक होता है। उन्हें बार–बार रक्त चढ़ाना पड़ता है, जिससे उनके शरीर के अंगों पर पहले से ही अतिरिक्त लोहे का दबाव रहता है। यदि ऐसे मरीजों को नियमित लौह–संवर्धित चावल खिलाया जाता है, तो उनके शरीर में 'आयरन ओवरलोड' की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। यह अतिरिक्त लोहा उनके लीवर, हृदय और गुर्दों को धीरे–धीरे नष्ट कर सकता है। विडंबना यह कि जिन क्षेत्रों में इन बीमारियों का प्रकोप सबसे अधिक है, वहीं सरकारी राशन भोजन का एकमात्र साधन है। पैकेटों पर लिखी बारीक चेतावनी ग्रामीण व निरक्षर आबादी तक पहुंचने में विफल रही, जिससे अनजाने में एक बड़ा वर्ग स्वास्थ्य संकट की ओर धकेला जा रहा है। शोध बताते हैं कि जब हम सिंथेटिक आयरन का अधिक सेवन करते हैं, तो वह पूरे अवशोषित नहीं हो पाता। बचा हुआ लोहा आंतों में ई–कोलाई, आदि हानिकर बैक्टीरिया की वृद्धि में सहायक होता है, जिससे लाभकारी बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इससे दीर्घकाल में पाचन के गंभीर विकार पैदा हो सकते हैं। शरीर में लोहे की अधिकता 'फ्री रेडिकल्स' पैदा करती है, जिससे कोशिकाओं में 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' बढ़ता है। यह स्थिति समयपूर्व बुढ़ापे, मधुमेह और हृदय रोगों के खतरे बढ़ा सकती है। संवर्धित चावल के निर्माण की तकनीक, जिसे 'एक्सट्रूजन' कहा जाता है, सैद्धांतिक रूप से तो सटीक लगती है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में भारी खामियां हैं। अनेक चावल मिलों में पोषक तत्वों के मिश्रण की मात्रा का सही संतुलन नहीं रखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल और रसायनों की शुद्धता पर भी कोई कड़ा नियंत्रण नहीं है।

यही कारण है कि पकाते समय इस चावल का स्वाद और गंध बदल जाती है, जिससे आम जनता के मन में इसके 'प्लास्टिक चावल' होने का भ्रम पैदा होता है। भंडारण के दौरान नमी और तापमान के कारण इन कृत्रिम दानों में ऑक्सीकरण की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, जो चावल को विषाक्त बना सकती है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'एक ही दवा सबको' की नीति अक्सर प्रतिकूल परिणाम देती है। एनीमिया के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें स्वच्छता की कमी, पेट के कीड़े या अन्य संक्रमण शामिल हैं। केवल चावल में लोहा मिलाकर पूरी आबादी को खिलाना अदूरदर्शी कदम प्रतीत होता है। जब सरकार केवल चावल के फोर्टिफिकेशन पर अरबों रुपये खर्च करती है, तो पूरा ध्यान 'धान' की खेती और वितरण पर केंद्रित हो जाता है।

यूपीएससी परीक्षा के जुनून से प्रभावित शैक्षिक वातावरण

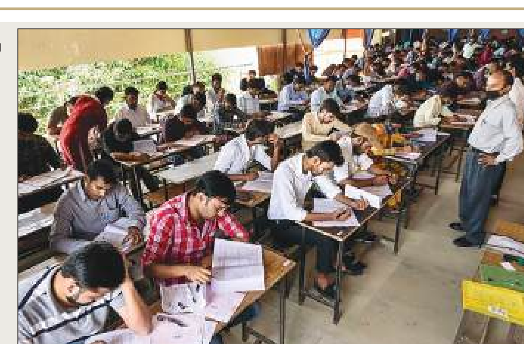

अविजित पाठक

हाल ही में, राष्ट्रीय राजधानी के एक अग्रणी महिला कॉलेज ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा–2025 में शीर्ष रैंक हासिल करने वाली अपनी दस पूर्व छात्राओं को सम्मानित किया। कॉलेज की प्रिंसिपल ने इन 'बदलाव के वाहकों' की सफलता गाथाओं का बखान किया, युवा छात्राओं को उनसे बातचीत करने अवसर मिला और उन 'गुरों' को सीखने का अवसर मिला, ताकि उन्हें भी इस अत्यंत प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए जरूरी महारत हासिल हो सके। यह जोड़ने की जरूरत नहीं कि इस किस्म के आयोजन, जैसा कि कॉलेज की प्रिंसिपल ने सोचा होगा, वर्तमान छात्राओं में गर्व की भावना जगाने और उन्हें जीवन में अच्छा करने के लिए प्रेरित करने हेतु आवश्यक है।

जहां मैं प्रिंसिपल और कॉलेज की इन दस पूर्व छात्राओं को बधाई देता हूं, वहीं मैं यह प्रार्थना करना नहीं भूलता कि ये 'सफल हस्तियां' अपने अहंकार पर काबू रख सकेंगी, विनम्र बनी रहेंगी, और अपने पदों से जुड़ी सत्ता और विशेषाधिकारों के मोहक जाल से खुद को दूर रखने का नैतिक साहस पा सकेंगी। हालांकि, ज्ञान की राजनीति और समाजशास्त्र में मेरी गहरी रुचि के कारण, परेशान करने वाला एक प्रश्न मुझे कचोटता रहता है। ऐसा क्यों है कि उदार कला एवं मानविकी संकाय के लिए जाना जाने वाला एक कॉलेज अपनी हैसियत सिद्ध करने के लिए यूपीएससी टॉपर्स को प्रदर्शित करने पर विवश है? मैं खुद से पूछता हूं क्या कॉलेज को अपनी इन पूर्व छात्राओं पर तब भी उतना ही गर्व होता, यदि उन्होंने जीवन का कोई बिल्कुल अलग मार्ग चुना होता–मसलन, छत्तीसगढ़ और झारखंड के आदिवासियों के बीच काम करने वाली एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में; या अपने छात्रों में आलोचनात्मक सोच के विकास की कोशिश करने वाली एक स्कूल शिक्षिका के रूप में; अथवा, इस संदर्भ में, अपने–अपने ज्ञान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाली किसी इतिहासकार/ राजनीतिक सिद्धांतकार/ मनोवैज्ञानिक के रूप में? इस बात को स्वीकार करें। हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जिसने 'सफलता' और 'असफलता' की अपनी अलग अवधारणा गढ़ रखी है।

कोई आश्चर्य नहीं कि शिक्षा का उद्देश्य अक्सर सफलता और असफलता को उपयोगिता के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है। मसलन, यदि आप विज्ञान विषय चुनते हैं, तो आपको बार–बार यही कहा जाता है कि आपको डॉक्टर या इंजीनियर ही बनना है। या, इसी क्रम में, यदि आप मानविकी और सामाजिक विज्ञान चुनते हैं, तो आपका तब तक उद्धार नहीं हो सकता, जब तक आप यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास करके आईएएस/ आईपीएस अधिकारी नहीं बन जाते! दरअसल, जिस तरह मध्यम–वर्गीय परिवार सफलता को लेकर प्रचलित इस सोच को आत्मसात कर लेते हैं, या फिर शिक्षा की यांत्रिक उपयोगिता ने युवाओं के लिए जीवन के अन्य रास्ते सोचना और उनके लिए कोशिश करना बेहद मुश्किल कर दिया है। इसलिए, समझा जा सकता है उदार कला एवं मानविकी विषय के लिए विख्यात कोई कॉलेज यूपीएससी टॉपर्स को अपना रोल मॉडल क्यों मानता है।

तथापि, यह अहसास होना भी उतना ही जरूरी है कि सफलता को लेकर समाज द्वारा बनाई गई ऐसी सोच ने जिस चीज को जन्म दिया है, उसका नामकरण मैं 'यूपीएससी के जुनून की बीमारी' करना चाहूंगा—जिस तरह इसने 3000 करोड़ का भारी मुनाफा कमाने वाला 'कोचिंग उद्योग' खड़ा कर दिया है, अनगिनत युवा दिमागों की महत्तवपूर्ण एवं रचनात्मक ऊर्जा को खत्म कर डाला है, और हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सक्रियता व सहभागितापूर्ण शिक्षण और शोध की भावना को नुकसान पहुंचाया है। भले ही हमें 'सफलता' गाथाएं सुनना भाता है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आईएएस/ आईपीएस/ संबद्ध सेवाओं के लिए इस एकतरफा और जुनून–भरी दीवानगी की वजह से, हम लाखों युवाओं को मानसिक रूप से आहत होते और 'असफलता' का दंश झेलते हुए देख रहे हैं। आखिरकार, आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं, अगर मान लीजिए, दस लाख आवेदकों में से सिर्फ एक हजार खुशकिस्मत लोगों को ही इन प्रतिष्ठित नौकरियों के लिए चुना जाता है? जहां एक ओर 'सफलता' का जश्न मनाया जाता है और उसकी जयकार होती है वहीं दूसरी तरफ हम असफलता की पीड़ा भुला देते हैं।

हो सकता है कि कोई युवा एक स्कूल शिक्षक, मानव–विज्ञानी, खिलाड़ी या फिल्म–निर्माता के तौर पर बहुत अच्छा कर सकता है। लेकिन, यूपीएससी के प्रति जुनून की वजह से उसकी जवानी का एक बड़ा हिस्सा कोचिंग सेंटरों के चक्कर लगाने, भारी मात्रा में पैसे खर्च करने, और इतिहास, समसामयिक घटनाक्रम, समाजशास्त्र और राजनीतिक सिद्धांत के उन सभी 'नोट्स' को रटने में बर्बाद हो जाता है, जिन्हें 'कोचिंग गुरु' बड़े धूम–धड़ाके से बेचते हैं और रातों–रात करोड़पति बन जाते हैं। सच में, यह शिक्षा की स्थिति और हमारे युवा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक दुखद टिप्पणी है। यूपीएससी की तैयारी करने वाले आम छात्र के लिए, ज्ञान की गहराई मायने नहीं रखती, बल्कि वह चीज मायने रखती है जिसे कोचिंग इंडस्ट्री 'सफलता के मैनुअल' यानी नुस्खे के तौर पर बेचती है। तब वह नियमित रूप से स्कूल कक्षा में क्यों जाए, मूल किताबें क्यों पढ़े, 5000 शब्दों का एक कठिन निबंध लिखने की कला क्यों सीखे, और सेमिनार एवं चर्चाओं में क्यों हिस्सा ले, जब उसका एकमात्र मकसद सिर्फ डिग्री हासिल करना हो, और वह मुख्य फोकस उन चीज़ों पर रखे जो इन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 'उपयोगी' हैं? ।

बचने के उपाय

यह परामर्श उन लोगों के लिए बेहद जरूरी है जो थायराइड की दवाओं के बावजूद सुधार महसूस नहीं कर रहे हैं। अपने आहार में इन पांच चीजों को संतुलित करें और कच्ची सब्जियों के बजाय पका हुआ भोजन अपनाएं। नियमित व्यायाम और सही खान-पान ही थायराइड को नियंत्रित करने की असली कुंजी है। ध्यान रखें छोटी-छोटी सावधानियां आपको जीवनभर दवाओं के बोझ से बचा सकती हैं।

आयोडीन और चीनी

आयोडीन थायराइड के लिए जरूरी है, लेकिन इसकी अति नुकसानदेह है। जरूरत से ज्यादा आयोडीन या आयोडाइज्ड साल्ट का सेवन थायराइड फंक्शन को ब्लॉक कर सकता है। इसी तरह अत्यधिक चीनी, मिठाई और कोल्ड ड्रिंक से इंसुलिन रेसिस्टेंस बढ़ता है, जो सीधे थायराइड हार्मोन के मार्ग को बाधित करता है। चीनी का सेवन कम करके आप अपने थायराइड को फिर से सक्रिय बना सकते हैं।

कच्ची क्रूसिफेरस सब्जियां

अक्सर लोग वजन घटाने के लिए पत्ता गोभी, फूलगोभी और ब्रोकली जैसी क्रूसिफेरस सब्जियों का सलाद खाते हैं। डॉक्टर शालिनी के अनुसार इन सब्जियों को कच्चा खाना थायराइड के लिए खतरनाक हो सकता है। इनमें ग्वाइट्रोजेन्स होते हैं जो आयोडीन के अवशोषण को रोकते हैं। इन्हें हमेशा अच्छी तरह पकाकर या उबालकर ही खाएं, जिससे इनके हानिकारक तत्व निष्क्रिय हो जाएं और थायराइड ग्रंथि पर बुरा असर न पड़े।

इन चीजों के सेवन से बढ़ जाता है थायराइड

आजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली में थायराइड की समस्या एक आम बीमारी बन चुकी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रसोई में मौजूद कुछ हेल्दी दिखने वाली चीजें ही आपके थायराइड हार्मोन के काम में बाधा डाल सकती हैं? विशेषज्ञों के अनुसार ये खाने-पीने की पांच बड़ी गलतियां आपको हाइपोथायरायडिज्म का शिकार बना सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार जब हम कुछ खास खाद्य पदार्थों का गलत तरीके से या कच्चा सेवन करते हैं, तो वे शरीर में थायराइड हार्मोन के एक्शन को ब्लॉक करने लगते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और वजन बढ़ने, थकान और हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। थायराइड एक तितली के आकार की ग्रंथि है जो शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित करती है, लेकिन गलत आहार इसे सक्रिय होने से रोकता है। इसलिए आहार में बदलाव करके इस समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है।

सोया उत्पाद

सोया चंक्स, टोफू और अन्य सोया उत्पादों को प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन हाइपोथायरायडिज्म के मरीजों के लिए यह हानिकारक हो सकते हैं। सोया में मौजूद आइसोफ्लेवोन्स थायराइड हार्मोन के उत्पादन में हस्तक्षेप करते हैं। खासकर कच्चा सोया या इसका अत्यधिक सेवन हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है। अगर आपको थायराइड की समस्या है, तो सोया उत्पादों के सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

जंक और प्रोसेस्ड फूड

बेकरी आइटम्स, पैकेट स्नैक्स और प्रोसेस्ड फूड थायराइड के बड़े दुश्मन हैं। डॉक्टर सोलंकी ने बताया कि इनमें मौजूद ट्रांस फैट और प्रिजर्वेटिव्स शरीर में इंफ्लेमेशन यानी सूजन बढ़ाते हैं। यह सूजन इम्यूनिटी पर बुरा असर डालती है, जिससे थायराइड ग्रंथि की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। स्वस्थ थायराइड के लिए पैकेट बंद फूड्स को अपनी डाइट से पूरी तरह बाहर करना ही बेहतर है।

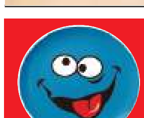

हंसना मना है

पप्पू अपनी पत्नी से-अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी- 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

पति: अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी: मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति: फिर रोने दे मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

लड़की: मैं अपने पापा की परी हूं,
लड़का : मैं भी अपने पापा का पारा हूं,
लड़की: पारा.. ये क्या है? लड़का: मुझे देखते ही उनका पारा चढ़ जाता है?

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

कहानी | दानवीर कर्ण

महाभारत की कथा में एक थे दानवीर कर्ण। श्रीकृष्ण हमेशा कर्ण की दानवीरता की प्रशंसा करते थे। वहीं, अर्जुन और युधिष्ठिर भी दान-पुण्य करते रहते थे, लेकिन श्रीकृष्ण कभी उनकी प्रशंसा नहीं करते थे। एक दिन अर्जुन ने श्रीकृष्ण से इसका कारण पूछा। श्रीकृष्ण बोले, समय आने पर वह यह साबित कर देंगे कि सबसे बड़ा दानवीर सूर्यपुत्र कर्ण है। कुछ दिनों के बाद एक ब्राह्मण अर्जुन के महल में आया। उसने बताया कि पत्नी की मृत्यु हो गई है। उसके दाह संस्कार के लिए उन्हें चन्दन की लकड़ियों की जरूरत है। ब्राह्मण ने चंदन की लकड़ी दान में मांगी। अर्जुन ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि राजकोष से चन्दन की लकड़ियों का इंतजाम किया जाए, लेकिन उस दिन न तो राजकोष में चंदन की लकड़ियां मिली और न ही पूरे राज्य में। अर्जुन ने ब्राह्मण से कहा, आप मुझे क्षमा करें, मैं आपके लिए चंदन की लकड़ी का इंतजाम नहीं कर सका। श्रीकृष्ण इस पूरी घटना को देख रहे थे। उन्होंने ब्राह्मण से कहा, आपको एक जगह चंदन की लकड़ियां जरूर मिलेंगी, आप मेरे साथ चलिए। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भी अपने साथ ले लिया। सभी ब्राह्मण का वेश बनाया और कर्ण के दरबार में पहुंचे। वहां भी ब्राह्मण ने कर्ण से चंदन की लकड़ी दान में मांगी। लेकिन कर्ण के मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में कहीं चंदन की लकड़ी नहीं मिली है। इस पर कर्ण ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि उसके महल में चंदन के खंभे हैं, उन्हें तोड़कर ब्राह्मण को दान दिया जाए। मंत्री ने ऐसा ही किया। ब्राह्मण चंदन की लकड़ी लेकर अपनी पत्नी के दाह संस्कार के लिए चला गया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा, देखो तुम्हारे महल के खंभों में भी चन्दन की लकड़ी लगी है, लेकिन तुमने ब्राह्मण को निराश किया। वहीं, कर्ण ने एक बार फिर अपनी दानवीरता का परिचय दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन — व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क — कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह — तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या — यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक — कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु — किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर — परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ — जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

मीन — किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' का टीजर हुआ रिलीज

एक ओर जहां रणबीर कपूर की 'रामायण' के टीजर की धूम देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर संजय दत्त की आगामी फिल्म 'आखिरी सवाल' का भी टीजर कल रिलीज हो गया है। ये टीजर देश के इतिहास में घटी कई घटनाओं का जिक्र करते हुए कई सवाल उठाता है। इसके साथ ही फिल्म की कहानी के बारे में भी हिंट मिलती है।

1 मिनट 52 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत संजय दत्त के वॉइस ओवर से होती है। इसमें वो द्रौपदी के पिता द्रुपद के बारे में बताते हैं। कैसे उन्होंने गुरु द्रोणाचार्य से अपने अपमान का बदला लेने के लिए अपने पुत्र धृष्टद्युम्न को द्रोणाचार्य से शिक्षा लेने के लिए भेजा। इस कहानी के बाद टीजर में एंट्री होती है संजय दत्त की जो प्रोफेसर बने हैं और नमाशी चक्रवर्ती की, जिन्होंने विकी हेगड़े की भूमिका निभाई है।

आखिरी सवाल विक्की (नमाशी चक्रवर्ती) की कहानी है, जो एक युवा विद्वान है और अपने गुरु प्रोफेसर गोपाल नाडकर्णी (संजय दत्त) के साथ उसका अकादमिक विवाद टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले एक टकराव में बदल जाता है।

8 मई को रिलीज होगी फिल्म

टीजर में संजय दत्त और नमाशी चक्रवर्ती के अलावा फिल्म की बाकी कास्ट भी नजर आती। इसमें अमित साध, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकारों की झलक दिखती है। अभिजीत मोहन वारंग द्वारा निर्देशित आखिरी सवाल 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण निखिल नंदा और संजय दत्त ने किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद फिल्म के सह-निर्माता हैं।

यह कहानी ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र करते हुए पीढ़ीगत मतभेद और सच की खोज जैसे मुद्दों पर बात करती है। कहानी के केंद्र में गुरु-शिष्य का संघर्ष है, जो एक बड़ी बहस में बदल जाता है। टीजर में महात्मा गांधी की हत्या, आरएसएस पर बैन, बाबरी विध्वंस जैसी कई ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र देखने को मिलता है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं और ऐश्वर्या दोनों मिलकर बेटी की परवरिश करते हैं : अभिषेक

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड के उन कपल्स में गिने जाते हैं, जिनके रिश्ते को लेकर सालों से तरह-तरह की बातें होती रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके अलग होने और तलाक की खबरें भी उड़ती रहीं, लेकिन इसके बावजूद दोनों अक्सर साथ नजर आए। हाल ही में अभिषेक ने एक इंटरव्यू में इन सब बातों पर खुलकर बात की। उन्होंने अपने रिश्ते, परिवार और बेटी की परवरिश को लेकर अपनी सोच शेयर की। उनकी बातें सुनकर साफ समझ आता है कि उनका रिश्ता सिर्फ दिखावे का नहीं बल्कि समझ और भरोसे पर टिका है। हाल ही में लिली सिंह को दिए इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी कुछ बताया। उन्होंने कहा कि वे और ऐश्वर्या अपनी बेटी आराध्या की परवरिश मिलकर करते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उनके घर में कोई एक दूसरे से ऊपर या नीचे नहीं है। दोनों अपने-अपने तरीके से जिम्मेदारियां निभाते हैं। उनकी ये बात फैंस को खूब पसंद आई। अभिषेक की बातों से ये भी साफ हुआ कि उनके लिए शादी सिर्फ एक रिश्ता नहीं बल्कि एक बराबरी की साझेदारी है, जहां दोनों की सोच और मेहनत को बराबर अहमियत दी जाती है। अभिषेक ने अपने रिश्ते को लेकर कहा, 'मेरे माता-पिता की शादी के समय मेरी मां मेरे पिता से बड़ी स्टार थीं। इसलिए मेरे लिए ये कोई नई बात नहीं थी'। उन्होंने बताया कि वे ऐश्वर्या को अपने करियर की शुरुआत से जानते हैं। उनकी दूसरी फिल्म 'ढाई अक्षर प्रेम के' में दोनों साथ काम कर चुके थे। उस समय दोनों सिर्फ दोस्त थे। धीरे-धीरे दोस्ती गहरी हुई और फिर रिश्ता आगे बढ़ा। अभिषेक ने कहा कि उनके बीच कभी ये बात नहीं हुई कि कौन क्या करेगा या किसकी क्या जिम्मेदारी होगी? सब कुछ अपने आप चलता गया। उन्होंने आगे कहा, 'हमारे रिश्ते में हमेशा साझेदारी रही है। कभी ऐसा नहीं हुआ कि मैं कमाऊं और वो घर संभालें या ऐसा कोई बंटवारा हो'।

सैयारा के बाद एक्शन-रोमांटिक फिल्म लेकर आ रहे हैं अहान पांडे

सैयारा फेम एक्टर अहान पांडे एक एक्शन-रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे। शुक्रवार को अली अब्बास जफर ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए फिल्म से अहान पांडे का पहला लुक शेयर किया है, जिस पर फैंस दिल हार बैठे हैं।

अहान पांडे की इस फिल्म की शूटिंग शुक्रवार से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। जल्द ही मुख्य अभिनेत्री और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा की जाएगी। फिल्म का निर्माण वाईआरएफ कर रहा है। इसकी शूटिंग मुंबई और विदेशों में होगी। इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान की एक खास तस्वीर शेयर की और लिखा, और शुरू हो गई...

अहान पांडे की इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर अहान पांडे की है। इस तस्वीर में अहान के चेहरे का कुछ हिस्सा साफ नजर आ रहा है, क्योंकि बाकी की तस्वीर धुंधली है। छोटे बाल में अहान का यह लुक कमाल का लग रहा है। इस तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह किसी को देखते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर एक क्लैप बोर्ड की है। जिसके साथ लिखा, यश राज फिल्म्स, प्रोडक्शन नंबर 79, निर्देशक अली अब्बास जफर।

अहान की इस दूसरी फिल्म के पहले लुक ने सेलेब्स और फैंस का दिल जीत लिया है। अभिनेता अर्जुन कपूर ने लिखा, मास और साथ ही फायर इमोजी बनाया है। टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने लिखा, बधाई हो अली सर, अहान की मां डीन ने लिखा, पूरी टीम को शुभकामनाएं, रजत बेदी ने लिखा, बधाई हो अली भाई, एक फैन ने लिखा, बहुत ज्यादा उत्साहित हूं, दूसरे फैन ने लिखा, अहान तुम कमाल कर दोगे, वहीं कई फैंस अहान के इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

सैयारा जैसी लव स्टोरी करने के बाद अब एक्शन-रोमांस फिल्म में आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे। यह फिल्म आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म है, जिनकी जोड़ी ने मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है जैसी हिट फिल्में दी हैं।

ये है दुनिया का सबसे अमीर भिखारी! भीख मांगते मांगते बनाये आठ विला और कई लग्जरी फ्लैट्स

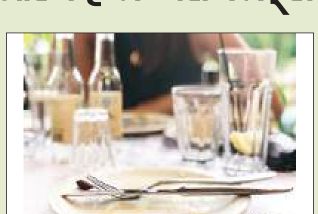

दुनिया में अमीरी की कई कहानियां सुनने को मिलती हैं, लेकिन कुछ इतनी अनोखी होती हैं कि उन पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। मुंबई के भरत जैन की कहानी भी ऐसी ही है, जहां एक भिखारी ने भीख मांगते-मांगते करोड़ों की संपत्ति खड़ी कर ली और आज उन्हें 'दुनिया का सबसे अमीर भिखारी' कहा जाता है। मुंबई में रहने वाले भरत जैन का बचपन बेहद गरीबी में गुजरा, उनके पास न तो अच्छी शिक्षा के साधन थे और न ही कोई स्थायी नौकरी। हालात से मजबूर होकर उन्होंने कम उम्र में ही भीख मांगना शुरू कर दिया।

पिछले लगभग 40 वर्षों से वह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (छस्म्र) और आजाद मैदान जैसे इलाकों में रोजाना 10-12 घंटे तक भीख मांगते रहे हैं। भरत जैन की कहानी यहीं से और ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी रोजाना कमाई करीब 2,000 से 2,500 रुपये के बीच है, जिससे महीने में उनकी आय लगभग 60,000 से 75,000 रुपये तक पहुंच जाती है। खास बात यह है कि उन्होंने इस पैसे को फिजूल खर्च करने के बजाय समझदारी से बिजनेस और रियल एस्टेट में लगाया। आज उनके पास मुंबई में करीब 1.4 करोड़ रुपये के दो फ्लैट हैं, वहीं ठाणे में उनकी दो दुकानें हैं, जिनसे हर महीने लगभग 30,000 रुपये किराया आता है। उनकी कुल संपत्ति यानी नेटवर्थ करीब 7 15 करोड़ रुपये बताई जाती है। आज भरत जैन का परिवार एक आरामदायक जीवन जी रहा है। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे, पिता और भाई शामिल हैं। उनके बेटे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं और अब परिवार के स्टेशनरी व्यवसाय को संभाल रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि इतनी संपत्ति होने के बावजूद भरत जैन आज भी भीख क्यों मांगते हैं। कुछ लोग इसे उनकी पुरानी आदत या लत मानते हैं, तो कुछ के अनुसार यह अब उनकी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। वजह चाहे जो भी हो, उनकी कहानी यह जरूर साबित करती है कि मेहनत और समझदारी से इंसान अपनी जिंदगी को पूरी तरह बदल सकता है।

अजब-गजब | यहां की मेहमानवाजी कल्चर देखकर हो जायेंगे शॉक

इस देश में शादियों में नहीं परोसा जाता खाना, सिर्फ आशीर्वाद देने आते हैं गेस्ट

भारत में शादी का मतलब होता है पूरे परिवार का उत्सव, ढेर सारा खाना, गिफ्ट्स और रात भर की धूमधाम। लेकिन अगर आप नीदरलैंड में किसी डच शादी में शामिल होते हैं तो आपको एक बड़ा कल्चर शॉक लग सकता है। यहां शादी में आए कई मेहमानों को सिर्फ वर-वधू को आशीर्वाद देने का मौका मिलता है। उनके लिए खाने का कोई इंतजाम नहीं होता। बस कुछ ड्रिंक्स सर्व कर उन्हें विदा कर दिया जाता है। अगर भारत में ऐसा हो जाए तो लोग आसमान सिर पर उठा लेंगे लेकिन वहां ये कॉमन प्रैक्टिस है।

भारत में तो शादी का इन्विटेशन मिलते ही पूरा परिवार तैयार हो जाता है। खाना खाने, नाचने-गाने और खुशियां मनाने के लिए। लेकिन डच कल्चर में शादी को कई हिस्सों में बांटा जाता है और हर हिस्से के लिए अलग-अलग मेहमानों को बुलाया जाता है। डच वेडिंग की सबसे खास बात है गेस्ट लिस्ट को कैटेगरी में बांटना। मुख्य रूप से तीन तरह के मेहमान होते हैं।

डे गेस्ट्स: ये सबसे क्लोज फैमिली और फ्रेंड्स होते हैं। इन्हें पूरे दिन के कार्यक्रम में शामिल किया जाता है। सेरेमनी, रिसेप्शन, डिनर और पार्टी सबमें।

रीसेप्शन गेस्ट्स: ये मेहमान सिर्फ सेरेमनी के बाद होने वाले रिसेप्शन में आते हैं। यहां कपल को बधाई देते हैं, वेडिंग केक कटता है, शैंपेन या ड्रिंक्स होती है और हल्के स्नैक्स मिल सकते हैं। लेकिन फुल डिनर नहीं होता। इन्हें बस आशीर्वाद देने और शुभकामनाएं देने के लिए बुलाया जाता है।

ईवनिंग गेस्ट्स: ये दोस्त, सहकर्मी या दूर के रिश्तेदार होते हैं जो सिर्फ शाम की पार्टी में शामिल होते हैं।

रीसेप्शन गेस्ट्स के लिए अक्सर अलग से इन्विटेशन कार्ड भेजा जाता है जिसमें साफ-साफ लिखा होता है कि उन्हें किन-किन कार्यक्रमों में शामिल होना है। अगर कार्ड में सिर्फ रिसेप्शन लिखा है तो समझ लीजिए कि डिनर का इंतजाम नहीं है। ऐसे मेहमान कपल को गले लगाकर, बधाई देकर और कुछ देर बात करके घर लौट जाते हैं।यह परंपरा इसलिए प्रचलित है क्योंकि डच लोग व्यावहारिक और बजट कॉन्शियस होते हैं। शादी का पूरा खर्चा आमतौर पर कपल खुद उठाता है। बड़े-बड़े खाने के इंतजाम करने से खर्चा बहुत बढ़ जाता है। इसलिए वे सिर्फ करीबी लोगों को डिनर पर बुलाते हैं। रिसेप्शन में हल्के ड्रिंक्स, केक और कभी-कभी बिटरबॉलन जैसे स्नैक्स दिए जाते हैं, लेकिन फुल कोर्स मील नहीं सर्व की जाती।भारतीयों के लिए यह बहुत अजीब लगता है क्योंकि यहां शादी में मेहमानों का ख्याल रखना मेजबान की जिम्मेदारी मानी जाती है। लोग कहते हैं। अरे, शादी में बुलाया तो खाना तो खिलाओ! लेकिन डच कल्चर में मेहमानों को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर इंटीमेट और पर्सनल रखा जाता है। डिनर आमतौर पर सिर्फ पैरेंट्स, सिब्लिंग्स और बहुत करीबी दोस्तों के साथ होता है।

राघव पर अपनों का हमला जारी

» दिल्ली के पूर्व सीएम बोलीं- पीएम मोदी के खिलाफ बोलने से क्यों डरते हैं चड्ढा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी में राघव चड्ढा अब भी अपने साथियों के निशाने पर है। सौरभ भारद्वाज, अनुराग ढांडा व संजय सिंह के बाद अब दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने भी उन पर सवाल दागे हैं। चड्ढा पर संवैधानिक खतरे और एलपीजी की कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर चुप रहने का आरोप लगाया। आतिशी ने चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन न करने पर चड्ढा के डर पर सवाल उठाया, जिससे पार्टी के भीतर दरारें गहरी होती दिख रही हैं। आतिशी ने अपने सहयोगी की आलोचना करते हुए कहा कि वे राष्ट्रीय संकट के दौरान आम नागरिकों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों, जिनमें एलपीजी गैस की भारी कमी भी शामिल है, पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

आतिशी ने चड्ढा पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन करने में हिचकिचाहट दिखाने का आरोप लगाया। एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने कहा कि राघव से मेरे कुछ सवाल हैं। आज हमारा देश एक भीषण संकट से गुजर रहा है। हमारे संविधान को गंभीर खतरा है, पश्चिम बंगाल के चुनाव आयोग के घोर दुरुपयोग के जरिए चुनाव चुराए जा रहे हैं, फिर भी आप कोई सवाल नहीं उठा रहे हैं, आप इसके खिलाफ बोलने से क्यों डर रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि जब टीएमसी और अन्य विपक्षी दल चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाते हैं, तो आप उस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर देते हैं। आर्थिक चिंताओं पर बात करते हुए आतिशी ने कहा कि आज आम आदमी के सामने सबसे बड़ा संकट एलपीजी गैस की कमी है। आप एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं, इसलिए शायद आपको इन कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता, लेकिन एक आम नागरिक अपने बच्चे के लिए खाना पकाने के लिए भी संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज इस देश में हर किसी को यह तय करना होगा कि वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं या संविधान और हमारे लोकतंत्र के साथ। आप के नेता अनुराग ढांडा ने राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए जाने के बाद चड्ढा को जवाब दिया। ढांडा ने एक पोस्ट में कहा कि चड्ढा कई सालों से डरे हुए हैं और प्रधानमंत्री के खिलाफ बोलने में हिचकिचाते हैं। इससे पहले, राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने के बाद चड्ढा ने पार्टी की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि संसद में उनकी चुप्पी को हार नहीं माना जाना चाहिए और सवाल किया कि उन्हें बोलने से क्यों रोका गया।

हर किसी को यह तय करना होगा कि वे मोदी के साथ खड़े हैं या संविधान के साथः आतिशी

मान की चेतावनी- पार्टी लाइन तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पार्टी लाइन से बाहर जाने वाले सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री मान ने स्पष्ट किया कि चड्ढा को उच्च सदन में उनके पद से हटाना पार्टी की नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी की सामान्य कार्यप्रणाली है। वे क्या बयान देना चाहते हैं, यह उनका अपना निर्णय है। जो लोग पार्टी की नीतियों का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

अनुराग ढांडा पहले ही उठा चुके हैं सवाल

इससे पहले, आम आदमी पार्टी के नेता अनुराग ढांडा ने चड्ढा की बर्खास्तगी पर की गई टिप्पणी का जवाब दिया। एक्स पर एक पोस्ट में, ढांडा ने दावा किया कि चड्ढा कई वर्षों से डरे हुए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलने से कतराते हैं। ढांडा ने कहा कि पार्टी के पास संसद में बोलने के लिए सीमित समय है, जिसका उपयोग या तो देश को बचाने के लिए किया जा सकता है या फिर 'हवाई अड्डे पर समोसे सस्ते करने' की मांग उठाने के लिए। ढांडा ने यह भी आरोप लगाया कि चड्ढा ने संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त का विरोध करने वाले आम आदमी के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया और जब गुजरात पुलिस ने आम आदमी के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया तो वह चुप रहे।

केरल को उपदेश न दें रेवंत: विजयन

» कहा- तेलंगाना के सीएम अपने राज्य में गरीबी और साक्षरता की कमी पर ध्यान दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने रेवंत रेड्डी की केरल के खिलाफ हालिया अपमानजनक टिप्पणियों का करारा जवाब देते हुए उन्हें पूरी तरह निराधार बताया और सुझाव दिया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को केरल को उपदेश देने के बजाय अपने राज्य में गरीबी और साक्षरता की कमी पर ध्यान देना चाहिए। एक्स पर विजयन ने कहा कि यह विडंबना है कि एक नेता जो गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाता है वह केरल की सामाजिक प्रगति पर सवाल उठा रहा है।

विजयन ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की केरल के बारे में हालिया अपमानजनक टिप्पणियां पूरी तरह निराधार हैं। यह विडंबना है कि जो व्यक्ति अपने ही राज्य में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाता है, वह केरल को सामाजिक प्रगति का उपदेश देने की कोशिश कर रहा है। वह हमारे सतत और समावेशी विकास मॉडल को नष्ट करने की कोशिश करने वालों का मुखपत्र बन गए हैं। रेड्डी के भ्रष्टाचार और कुशासन के आरोपों का जवाब देते हुए, केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने दोनों राज्यों के बीच असमानता को उजागर करने के लिए नीति आयोग के आधिकारिक आंकड़ों का हवाला दिया।

पहली जीत की तलाश में उतरेगी गुजरात

» अहमदाबाद में राजस्थान से टक्कर आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जा रही इस पिच पर एक हाई-स्कोरिंग मुकाबले की उम्मीद की जा रही है। राजस्थान रॉयल्स की नजरें एक बार फिर अपने युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी पर होंगी, जिन्होंने टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर सभी का ध्यान खींचा था। 15 वर्षीय यह बल्लेबाज आक्रामक अंदाज में खेलते हुए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती देने के लिए तैयार है।

गुजरात टाइटंस के पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे तेज गेंदबाज हैं, जो किसी भी बल्लेबाजी क्रम को मुश्किल में डाल सकते हैं। हालांकि पिछले मैच में कप्तान शुभमन गिल की रणनीति पर सवाल उठे थे, ऐसे में इस मुकाबले में उनसे बेहतर निर्णयों की उम्मीद होगी। बल्लेबाजी की बात करें तो गुजरात टाइटंस काफी हद तक अपने शीर्ष क्रम पर निर्भर नजर आती है। शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर को बड़ी पारियां खेलनी होंगी, क्योंकि मध्यक्रम में शाहरुख खान, वॉशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया अब तक खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स की टीम संतुलित दिखती है। जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर जैसे तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में गुजरात के बल्लेबाजों को दबाव में लाने की कोशिश करेंगे। हालांकि टीम की कप्तानी रियान पराग को सौंपे जाने के फैसले पर अब भी सवाल उठ रहे हैं। मैच की स्थिति को देखते हुए टॉस अहम भूमिका निभा सकता है। इस मैदान पर टीमें लक्ष्य का पीछा करना पसंद कर रही हैं। अगर गुजरात पहले बल्लेबाजी करती है तो उसे 200 से अधिक का स्कोर बनाना होगा, जबकि लक्ष्य का पीछा करते समय उसे राजस्थान को बड़े स्कोर से रोकना जरूरी होगा।

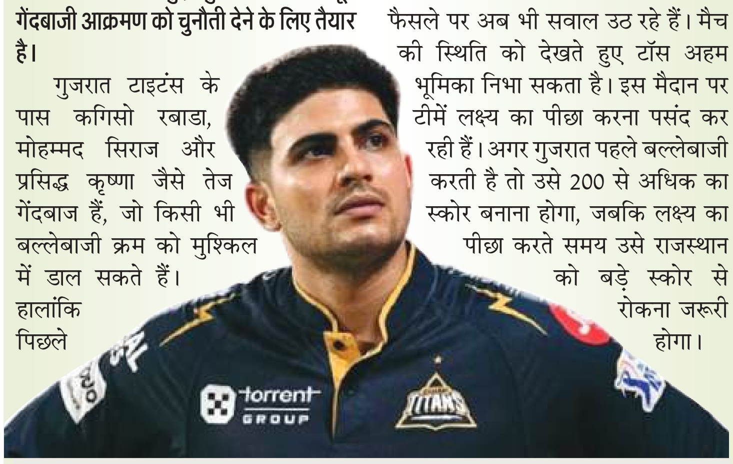

पंजाब ने चेन्नई को हराकर दर्ज की दूसरी जीत

चेन्नई। पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच विकेट से हराकर लगातार आईपीएल 2026 का दूसरा मुकाबला जीत लिया। वहीं, सीएसके लगातार दूसरे मैच में हार गई। शुक्रवार को चेपॉक में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने आयुष म्हात्रे (73) और शिवम दुबे (45*) की दमदार पारियों की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 209 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 210 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। आईपीएल इतिहास में यह पंजाब किंग्स का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। इससे पहले टीम ने पिछले साल केकेआर के खिलाफ 262 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल किया था। वहीं, चेन्नई 2022 के बाद लगातार दूसरा ओपनिंग मैच हारी है।

एलडीएफ के गरीबी उन्मूलन के दावे भ्रामक

» वेणुगोपाल बोले- पुराने वादे अब भी अधूरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने केरल की सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार पर गरीबी उन्मूलन को लेकर बार-बार भ्रामक दावे करने और सामाजिक कल्याण उपायों से जुड़े चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए जमकर हमला बोला। वेणुगोपाल ने कहा, उन्होंने दावा किया था कि केरल गरीबी मुक्त हो गया है। अगर ऐसा है, तो वे वही दावा दोबारा क्यों कर रहे हैं? क्या यह इस बात का सबसे बड़ा सबूत नहीं है कि उनका पिछला दावा ही भ्रामक था? अपने घोषणापत्र में उन्होंने पेंशन बढ़ाकर 3000 रुपये करने का वादा किया था।

लेकिन अगर आप उनका पिछला घोषणापत्र देखें, तो उसमें उन्होंने 2,500 रुपये देने का वादा किया था। 55 महीनों तक वे केवल 1,500 रुपये ही देते रहे, और

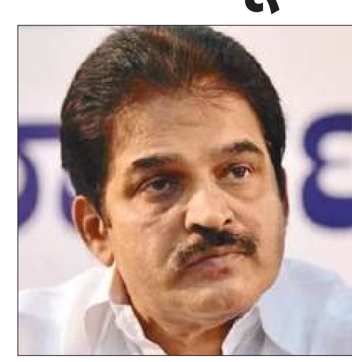

इसे केवल तीन महीने पहले ही बढ़ाकर 2,000 रुपये किया गया है। वेणुगोपाल ने आगे कहा 21 के घोषणापत्र में वादा किया गया 2,500 रुपये अभी तक नहीं दिया गया है। इससे साफ पता चलता है कि उनका घोषणापत्र एक बड़ा धोखा है। अगर वे पिछले दस सालों में पूरे न किए गए वादे दोहरा रहे हैं, तो क्या लोग उन पर दोबारा भरोसा करेंगे? कांग्रेस ने हम आएंगे तो पहली बार, हम किसानों और मछुआरों पर केंद्रित एक अलग कृषि बजट पेश करेंगे, जिसका उद्देश्य कर्ज मुक्त खेती की दिशा में मार्ग प्रशस्त करना है। इस बीच, अलाप्पुझा में कांग्रेस नेता और हरिपाद विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार रमेश चेन्निथला ने केरल में भाजपा की संभावनाओं को खारिज कर दिया।

राज्य में कृषि संकट बढ़ा : दीपेंद्र सिंह हुड्डा

इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने तिरुवनंतपुरम में चुनाव प्रचार के दौरान राज्य के कृषि संकट को उजागर किया। उन्होंने बताया एलडीएफ और पिनारयी सरकारों की नीतियों के कारण केरल में गहरा कृषि संकट पैदा हो गया है। यहां के किसान सभी 28 राज्यों में सबसे अधिक कर्ज के बोझ तले दबे हैं, जहां औसतन प्रत्येक परिवार पर लगभग 5.5 लाख रुपये का कर्ज है। इसके परिणामस्वरूप गंभीर संकट की स्थिति पैदा हो गई है, जिसमें आत्महत्याएं भी शामिल हैं। अगर हमारे नेता राहुल जी के वादे के अनुसार यूडीएफ सत्ता में आती है, तो हम केरल के किसानों को बड़ी राहत प्रदान करेंगे।

यूपी में जहरीली शराब से तीन मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोदीपुरम/दौराला। मेरठ में शराब पीने के बाद तीन लोगों की मौत हो गई। परिजनों ने शराब के जहरीली होने का आरोप लगाया है। डीएम के आदेश पर देसी शराब के ठेके को सील कर दिया गया है। डीएम और एसएसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। शराब का ठेका भाकियू नेता मिंटू अहलावत निवासी दौराला के पिता जयपाल अहलावत के नाम पर है। पुलिस ने देर रात जयपाल अहलावत और ठेके के दो सेल्समैन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

पुलिस के अधिकारी इनसे पूछताछ कर रहे है। पुलिस ने बताया कि मूलरूप से भराला गांव निवासी बाबूराम प्रजापति (55) वर्तमान में दौराला में रह रह कर सरसों की पेराई का काम करते थे। बाबूराम के दोस्त अंकित (45) और जितेंद्र (50) निवासी दौराला ने सरधना रोड स्थित ठेके से देसी शराब खरीदी।

कुएं में कार गिरने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत

» नासिक में हुई घटना, मृतकों में छह बच्चे भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शुक्रवार रात एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में छह बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा र रात करीब 10 बजे डिंडोरी कस्बे के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। परिवार के सभी सदस्य एक समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर पास के एक कुएं में जा गिरी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं।

राहत-बचाव अभियान के तहत दो क्रेन और तैराकों की मदद से आधी रात के

आसपास कार और उसमें सवार सभी लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक डिंडोरी तालुका के इंदोरे गांव निवासी दरगुड़े परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तू दरगुड़े (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुड़े (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। बच्चों में पांच लड़कियां (उम्र 7 से 14 वर्ष) और एक 11 वर्षीय लड़का शामिल है।

अमेरिका कर रहा मनुहार, ईरान ने किया सीजफायर से इंकार

24 घंटे में ईरान ने अमेरिका को दिए बड़े झटके, अमेरिकी के दो एफ-15 फाइटर जेट को मार गिराया

» डिफेंस बजट बढ़ा सकता है अमेरिका

» पश्चिम एशिया संकट 36वां दिन, ईरान-इसरायल में हमले जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका-इसरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के 36वें दिन में पहुंच गया है। हालात और गंभीर हो गए हैं। ईरान में 2076 लोगों की मौत और 26,50 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। वहीं इजरायल व अन्य देशों में हमलो में सैकड़ों की जान जा चुकी है। पर कोई भी देश पीछे हटने को तैयार नहीं है।

हालांकि अमेरिका सीजफायर की बाते कर रही है पर उस पर अमल नहीं कर रहा है इस बीच खबर ये भी आ रही है ईरान ने सीजफायर से मना कर दिया है और अमेरिका प्रशासनिक फेरबदल के बाद अब अपना डिफेंस बजट बढ़ाने की तैयारी में जुटा है। वहीं ईरान अमेरिका फाइटर प्लेनों को ताबड़तोड़ निशाने पर ले रहा है। इसी बीच एक और बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। जानकारी के मुताबिक एक अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट भी ईरान के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस विमान में दो क्रू मेंबर सवार थे। अमेरिकी सेना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सदस्य को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि दूसरे क्रू मेंबर की स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है और उसकी तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है। इस मामले पर पेंटागन ने अमेरिकी संसद की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को जानकारी दी है। पेंटागन के अनुसार, एक सैनिक को सुरक्षित बचा लिया गया है, लेकिन दूसरे की स्थिति अज्ञात बनी हुई है। इसका मतलब यह है कि अमेरिकी रक्षा विभाग को फिलहाल यह जानकारी नहीं है कि वह सैनिक कहां है और किस हालत में है।

ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के दो लड़ाकू विमान मार गिराए हैं। इनमें एक एफ-15 ई फाइटर जेट और दूसरा एफ-10 अटैक एयरक्राफ्ट शामिल है। ईरान के मुताबिक, एफ-15 ई फाइटर जेट को उसके क्षेत्र में गिराया गया। इस विमान में सवार एक क्रू मेंबर को रेस्क्यू कर लिया गया है, जबकि दूसरा अभी भी लापता है। वहीं, ईरानी मीडिया का कहना है किएफ -10 अटैक एयरक्राफ्ट पर्शियन गल्फ में गिरा। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने इस पर स्पष्ट नहीं किया है कि विमान क्रैश हुआ या उसे मार गिराया गया।

अमेरिकी सेना लापता क्रू मेंबर की तलाश में जुटी हुई है। इस दौरान सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर भी ईरानी फायरिंग की चपेट में आए। हालांकि, हेलिकॉप्टर को नुकसान जरूर हुआ, लेकिन वह हवा में बना रहा। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ऐसे दो हेलिकॉप्टर प्रभावित हुए हैं ये हेलिकॉप्टर एफ-15 ई के लापता पायलट को खोजने के मिशन पर थे। ईरान ने कहा है कि उसने नए एडवांस डिफेंस सिस्टम की मदद से अमेरिकी विमानों को गिराया है। यह दावा अमेरिका के उस बयान के विपरीत है, जिसमें कहा गया था कि ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम को पहले ही नष्ट कर दिया गया है।

48 घंटे के सीजफायर प्रस्ताव को ईरान ने ठुकराया

ईरान ने अमेरिका के 48 घंटे के सीजफायर प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया है। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह प्रस्ताव एक तीसरे देश के जरिए तेहरान पहुंचाया गया था, जिसे ईरान ने मानने से इनकार कर दिया. इस मामले पर अमेरिका की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ईरान ने अमेरिकी पायलट को पकड़ने पर इनाम की घोषणा की

ईरान ने पिछले 24 घंटे में अमेरिकी लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। यही नहीं बचाव अभियान में लगे दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर भी ईरानी हमले की चपेट में आ गए हैं। इस घटना में विमान के दो चालक दल सदस्यों में से एक को बचा लिया गया है, जबकि दूसरा अब भी लापता है। चालक की तलाश के लिए ईरान ने इनाम की घोषणा की है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विशेष बलों ने दो सीटों वाले अमेरिकी एफ-15ई जेट के दो चालक दल सदस्यों में से एक को बचा लिया है, जबकि दूसरा अभी भी लापता है। अमेरिकी वायु सेना के लड़ाकू विमान एफ-15ई स्ट्राइक ईगल में एक पायलट और एक हथियार प्रणाली अधिकारी सवार होते हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका कि इन दोनों में से किसे बचाया जा सका।

घटनाओं से बातचीत पर कोई असर नहीं : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इन घटनाओं का ईरान के साथ संभावित बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच ट्रम्प ने अमेरिकी संसद से रक्षा बजट को बढ़ाकर 1.5 ट्रिलियन डॉलर करने की मांग की है। फिलहाल अमेरिका का रक्षा बजट करीब 839 बिलियन डॉलर (लगभग 70 लाख करोड़ रुपए) है. डोनाल्ड ट्रंप पहले भी अमेरिका और उसके सहयोगियों के सैन्य खर्च बढ़ाने की बात करते रहे हैं। ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि एक अमेरिकी सैन्य विमान के गिराए जाने से ईरान के साथ संभावित बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं, यह युद्ध है, हम युद्ध में हैं। उनके इस बयान से साफ संकेत मिलता है कि अमेरिका इस स्थिति को बेहद गंभीरता से देख रहा है और पीछे हटने के मूड में नहीं है।

ईरान ने बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के हेडक्वार्टर को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया

ईरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता की पेशकश ठुकराई

ईरान ने पश्चिम एशिया संघर्ष में मध्यस्थता की पाकिस्तान की कोशिश को सिरे से खारिज कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह पाकिस्तान में अमेरिका नेतृत्व वाले किसी भी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात नहीं करेगा। वहीं, ईरान ने अमेरिका की मांगों को अस्वीकार्य बताते हुए संकट के शीघ्र समाधान की संभावनाओं को भी पीछे धकेल दिया है। पाकिस्तान ने यह दावा करते हुए अपनी कूटनीतिक क्षमता का इस्तेमाल करने की कोशिश की थी कि वह ईरान और अमेरिका दोनों पक्षों से संवाद स्थापित करने में सक्षम है। हालांकि, ईरान और पाकिस्तान के बीच गहरे अविश्वास के चलते, ईरानी पक्ष किसी भी बातचीत में इस्लामाबाद को कोई भूमिका देने से हिचकिचा रहा है।

कतर के जरिए मध्यस्थता की उम्मीद

हालांकि, इस बीच कुछ उम्मीद की किरण जगी है, क्योंकि रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान इस क्षेत्र के एक अन्य महत्वपूर्ण खिलाड़ी कतर के जरिए मध्यस्थता के प्रयास पर विचार कर सकता है। इस बीच, क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है।

पाकिस्तान ने मीडिया पर चल रहे दावों को किया खारिज

हालांकि पाकिस्तान ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को सिरे से नकार दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की उसकी पहल शुरुआती दौर में ही अटक गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने इन खबरों को पूरी तरह बेबुनियाद और कल्पना मात्र करार देते हुए कहा कि किसी भी आधिकारिक सूत्र के हवाले से ऐसी बातें कहना गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से इस तरह की कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

ईरान का इसरायल जवाबी अभियान जारी

ईरानी सेना का कहना है कि उन्होंने अमेरिका-इज़राइल के खिलाफ अपने जवाबी अभियान की 93वीं लहर पूरी कर ली है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने कब्जे वाले क्षेत्रों के अंदर गहरे इस्राइली सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं। पश्चिमी गैलिली, हाइफा, काफर कन्ना और क्रायोट में इज़राइलियों के एकत्रित होने और युद्ध समर्थन के केंद्रों को सटीकता से निशाना बनाया गया।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा